रस के सिद्धान्त

रस के भारतीय (हिन्दी) सिद्धान्त

- **सिद्धान्त – प्रवर्तक**
- रीतिवाद – केशवदास (रामचन्द्र शुक्ल ने चिन्तामणि कों हिन्दी में रीतिवाद का प्रवर्तक माना है।)
- स्वच्छन्दतावाद – श्रीधर पाठक
- छायावाद – जयशंकर प्रसाद
- हालावाद – हरिवंशराय बच्चन'
- मांसलवाद – रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'
- प्रयोगवाद – अज्ञेय
- कैप्सूलवाद – ओंकारनाथ त्रिपाठी
- प्रपद्यवाद (नकेनवाद) – नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार, नरेश कुमार

रस के पाश्चात्य पाश्चात्य

- **सिद्धान्त – प्रवर्तक**
- अनुकरण सिद्धान्त – अरस्तू
- त्रासदी तथा विरेचन सिद्धान्त – अरस्तू
- औदात्यवाद – लोंजाइनस
- सम्प्रेषण सिद्धान्त – आई.ए. रिचड्र्स
- निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त – टी. एस. इलियट
- अभिव्यंजनावाद – बेनदेतो क्रोचे
- अस्तित्ववाद – सॉरेन कीर्कगार्द
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद – कार्ल मार्क्स
- मार्क्सवाद – कार्ल मार्क्स
- मनोविश्लेषणवाद – फ्रॉयड

- विखण्डनवाद – जॉक देरिदा
- कल्पना सिद्धान्त – कॉलरिज
- स्वच्छन्दतावाद – विलियम्स वड्र्सवर्थ
- प्रतीकवाद – जॉन मोरियस
- बिम्बवाद – टी.ई. ह्यूम